भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
राज्य सभा
लिखित प्रश्न सं. 1105
गुरूवार, 13 फरवरी, 2025/24 माघ, 1946 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

विदेशी पर्यटकों के आगमन से प्राप्त राजस्व

1105 श्रीमती रंजीत रंजन:
श्री हरीस बीरन:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत विगत पांच वर्षों में विदेशी पर्यटकों के आगमन से वर्ष-वार और राज्य-वार कुल कितना राजस्व प्राप्त हुआ;

(ख) क्या स्वदेश दर्शन योजना का कोई स्वतंत्र मूल्यांकन किया गया है और यदि हां, तो उसके निष्कर्ष क्या हैं; और

(ग) पारिस्थितिकी-संवदेनशील क्षेत्रों में सतत और पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय ने राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए 2014-15 में अपनी 'स्वदेश दर्शन योजना' (एसडीएस) शुरू की। इस योजना के तहत, मंत्रालय ने विभिन्न चिह्नित विषयों के तहत देश में 76 परियोजनाओं को मंज़ूरी दी, जिनमें से 75 परियोजनाओं के भौतिक रूप से पूर्ण होने की सूचना है।

योजना के तहत विकसित परियोजनाओं के संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी संबंधित राज्य/संघ राज्यक्षेत्र की है और मंत्रालय इन परियोजनाओं के माध्यम से संबंधित राज्य/संघ राज्यक्षेत्र द्वारा उत्पन्न राजस्व का रिकॉर्ड नहीं रखता है।

पर्यटन मंत्रालय ने 2019 में राष्ट्रीय उत्पादकता परिषद के माध्यम से तीसरे पक्ष के द्वारा स्वदेश दर्शन (विषय-आधारित पर्यटक परिपथ का एकीकृत विकास) के प्रभाव का आकलन करवाया था। अध्ययन में कहा गया है कि 'स्वदेश दर्शन योजना' आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देने और निर्माण चरण में स्थानीय समुदायों के लिए रोजगार पैदा करने में सक्षम है।

पर्यटन मंत्रालय ने व्यापक समीक्षा के बाद अब इस योजना को स्थायी और जिम्मेदारीयुक्त पर्यटन स्थलों को विकसित करने के उद्देश्य से स्वदेश दर्शन 2.0 के नाम से नया रूप दिया है और योजना दिशानिर्देशों में प्रभाव मूल्यांकन सहित सुधार के लिए क्षेत्रों की पहचान की गई है।

पर्यटन मंत्रालय ने स्थायी पर्यटन के लिए एक राष्ट्रीय कार्यनीति तैयार की है। इस कार्यनीति के अनुरूप, पर्यटन मंत्रालय ने मिशन लाइफस्टाइल फॉर एनवायरनमेंट (एलआईएफई) के तहत एक क्षेत्रीय कार्यक्रम 'ट्रैवल फॉर लाइफ' शुरू किया। ट्रैवल फॉर लाइफ का उद्देश्य पर्यटन क्षेत्र में स्थिरता को मुख्यधारा में लाने को बढ़ावा देना, जागरूकता पैदा करना और पर्यटकों और पर्यटन व्यवसायों को प्रकृति के अनुरूप टिकाऊ प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

****